

श्रसाभारण

EXTRAORDINARY

भाग II—काण्ड 3---उपक्रण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 434] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, विसम्बर 3, 1970/ग्रग्रहायण 12, 1892

*:-----

No. 434] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 3, 1970/AGRAHAYANA 12, 1892

इस भाग में भिन्न पृथ्ठ संख्या दी जाती है जिसस कि यह श्रलग संकलन क रूप में रखा जा सहे।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

ORDER

New Delhi, the 3rd December 1970

S.O. 3891.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Commerce and Industry No. S.O. 581, dated the 4th March, 1963, read with the Orders of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 816, dated the 4th March, 1968, in the late Ministry of Foreign Trade and Supply (Department of Foreign Trade) No. S.O. 922, dated the 3rd March, 1969, and in the Ministry of Foreign Trade No. S.O. 835, dated the 28th February, 1970 and S.O. 2969, dated the 2nd September, 1970, the management of the industrial undertaking known as the Pratap Spinning, Weaving and Manufacturing Company Limited, Amalner (Maharashtra) (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) had been taken over by the Authorised Controller referred to in the Order first mentioned above for a period upto and inclusive of the 3rd December, 1970;

And whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Foreign Trade No. S.O. 3718, dated the 10th November, 1970, the Maharashtra State Textile Corporation Limited (hereinafter referred to as the Authorised Controller) has been authorised to take over the management of the whole of the said undertaking:

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the Authorised Controller should continue for a further period of one month;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to subsection (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), and in supersession of the Order of the Government of India in the Ministry of Foreign Trade No. S.O. 3710, dated the 9th November, 1970, the Central Government hereby directs that the Order first mentioned above shall continue to have effect for a further period upto, and inclusive of, the 3rd January, 1971.

[No. F. 13(1)TEX(G)/68.]

B. D. KUMAP It Secv

बिवेडी ब्यापार मंत्रालय

धारतेला

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 1970

एस० भौ० 3891.—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय के श्रादेश संख्या का० श्रा० 816, दिनांक 4 मार्च, 1968, भूतपूर्व विदेशी ब्यापार तथा श्रापूर्ति मंत्रालय (विदेशी व्यापार विभाग) के का० श्रा० संख्या 922, दिनांक 3 मार्च, 1969 श्रौर विदेशी व्यापार मंत्रालय के श्रादेश संख्या का० श्रा० 835, दिनांक 28 फरवरी, 1970 तथा का० श्रा० 2969, दिनांक 2 सितम्बर, 1970 के साथ पठित भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय के श्रादेश संख्या का० श्रा० 581, दिनांक 4 मार्च, 1963 द्वारा प्रताप स्पिनिंग, वीविंग एण्ड मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड, श्रमालनेर (महाराष्ट्र) (एतदोपरान्त जिसे उक्त श्रौद्योगिक उपक्रम कहा जाएगा) नामक श्रौद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उपरिवर्णित श्रन्तिम श्रादेश में निर्दिष्ट प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा 3 दिसम्बर, 1970 तक की कालाविध के लिए, जिसमें यह तारीख भी शामिल है, ले लिया गया था;

श्रौर मतः भारत सरकार के विवेशी व्यापार मंत्रालय के श्रादेश का० श्रा० सं० 3718, दिनांक 10 नवम्बर, 1970 द्वारा उपरोक्त संपूर्ण उपक्रम का प्रबन्ध श्रपने श्रिष्ठकार में लेने के लिए महाराष्ट्र राज्य वस्त्र निगम लिमिटेड (एतदोपरान्त जिसे प्राधिकृत नियंत्रक कहा जाएगा) को प्राधिकृत किया जाता है।

श्रौर ग्रतः केन्द्रीय सरकार की यह राय हैं कि लोकहित में यह समीचीन है कि प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा उक्त श्रौद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध एक मास की श्रतिरिक्त कालावधि के लिये बना रहना चाहिए ।

श्रतएव श्रव उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-क की उप-धारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीर भारत सरकार के विदेशी व्यापार मंत्रालय के श्रादेश संख्या का० श्रा० 3710, दिनांक 9 नवम्बर, 1970 का प्रिधिकमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्बारा यह निदेश देती है कि उपरिवर्णित श्रन्तिम श्रादेश 3 जनवरी, 1971 तक की कालावधि के लिथे, जिसमें यह तारीख भी शालिहै, प्रभावी बना रहेगा।

[सं० फा० 13(1) टेक्स (जी)/68-] बी० डी० कुमार, संयुक्त सजिबः।

ERRATUM

In the Ministry of Foreign Trade Hindi version Notification No. 60(4) एक्सपो॰ इन्स पे॰ /67, Issue No. 347, dated the 18th September 1970, published as Extraordinary Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (ii), Page No. 1522 for 'का अध- 31222' read ''का सा 3122'.